"कृषि वानिकी का महत्व एवं उपयुक्त प्रजातियां " पर संगोष्ठी

दिनांक: 15.06.2022

स्थान: उमडीमाडी

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

वन उत्पादकता संस्थान रांची के निदेशक डा. नितिन कुलकर्णी के तत्पर पहल एवं स. स. (अनुसंधान) डा. योगेश्वर मिश्रा के मार्गदर्शन में दिनांक 15/06/2022 को श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की के नेतृत्व में श्री एस. एन. वैद्य मु.त.अ., श्री रविशंकर प्रसाद मु.त.अ. , श्री बी. डी. पंडित त.अ. एवं श्री सूरज कुमार व.त.स. का एक दल द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत "कृषि वानिकी का महत्व एवं उपयुक्त प्रजातियां " विषय पर तोरपा प्रखण्ड के उकड़ीमारी ग्राम में पंचायत के पूर्व मुखिया श्री एतवा भगत की अध्यक्षता में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें जन प्रतिनिधि सहित लगभग 61 महिला पुरुष ने भाग लिया | श्री बी. डी. पंडित के द्वारा कार्यक्रम परिचय के बाद पूर्व मुखिया ने ग्रामीणों से कार्यक्रम का लाभ लेने की अपील की एवं वन उत्पादकता संस्थान रांची के इस पहल की सराहना करते हुए लाह पोषक पौधे/वृक्षों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए लाह उत्पादन को बढ़ावा देने की मांग की |प्रेरक दीदी श्री मती देववन्ती देवी ने ग्रामीणों की भलाई के लिए संस्थान के पहल की सराहना की एवं इस कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं से कृषि वानिकी को अपनाने के लिए पुरूषों पर दबाव डालने का आग्रह किया |

कार्यक्रम की आवश्यकता को विस्तार से वर्णन करते हुए संस्थान के उ.व.सं श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की ने कृषि वानिकी को आज की मांग बताया |उन्होंने बताया कि जनसंख्या की भाड़ी वृद्धि एवं सीमित वन क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए पर्यावरण की विकट समस्या का सामना करने के लिए कृषि वानिकी ही एकमात्र विकल्प है जिससे खाद्य पदार्थ, रोजगार एवं पर्यावरण तीनों का संतुलन बनाए रखा जा सके |

कृषि वानिकी में उपयुक्त प्रजातियों का वर्णन करते हुए श्री रविशंकर प्रसाद ने अनेकों कृषि वानिकी के वृक्ष प्रजातियों का महत्व , प्राप्त होने वाले आय एवं सहयोगी कृषि फसल का विस्तृत वर्णन किया |पोपलर, गम्हार, सुबबूल, बांस मिलिया डूबिया शीशम तथा अन्य प्रजातियों का कृषि वानिकी में उपयोग एवं लाभ का विस्तार से चर्चा की |

श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की उप वन संरक्षक ने विभिन्न कृषि फसलों का वानिकी वृक्ष प्रजातियों के साथ खेती करने क विभिन्न माडलों को विस्तार से समझाया | उनहोंने कहा कि वानिकी के साथ तिलहन एवं सब्जी तथा फल आधारित कृषि वानिकी काफी सफल साबित हुए हैं |श्री एस. एन. वैद्य एवं श्री सूरज

कुमार ने फ्लेमिंजिया सेमियालाता पर लाह की खेती के साथ कई कृषि फसल का नमूना को विस्तार से चर्चा की एवं कृषि वानिकी को महिलाओं के रोजगार सृजन में सहायक बताया|

श्री बी.डी. पंडित ने कृषि वानिकी को वन वर्धन में सहायक बताते हुए कई राज्यों का उदाहरण प्रस्तुत किया तथा बताया कि जीवन रक्षा के लिए सबसे पहले हवा और पानी की आवश्यकता होती है जो जंगल के बिना संभव नहीं है तथा सीमित भौगोलिक क्षेत्र को देखते हुए कृषि वानिकी पर्यावरण संरक्षण एवं वन वर्धन के लिए आवश्यक है |

अंत में ग्रामीणों की ओर से पूर्व ग्राम सभा अध्यक्ष श्री भीखा साव ने ग्रामीणों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए तथा संस्थान के अधिकारियों को ज्ञान वर्धक जानकारी के लिए धन्यवाद दिया |संस्थान से श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की ने ग्रामीणों एवं सहकर्मियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम समापन की घोषणा की|

आयोजित संगोष्ठी की झलकियां

आयोजित संगोष्ठी की झलकियां

आयोजित संगोष्ठी की झलकियां

आयोजित संगोष्ठी की झलकियां

आयोजित संगोष्ठी की झलकियां